HT City time out
LUCKNOW
WEDNESDAY
APRIL 27, 2022

IITians show their musical side!

Performance by IIT-Roorkee alumni.

PHOTOS: DEEPAK GUPTA/HT

Suresh Sapra

IIT Roorkee alumni showcased their different side as they performed choicest of songs during the two-day Ullas Global Thomaso 175 meet held at Indira Gandhi Pratisthan. Organised by the alumni association, various cultural events along with heritage walks where held besides, the discussion.

Senior IITians mesmerised all with a qawwali. The lyrics were by KK Asthana while the music direction was done by Kamla Kant. Veteran theatre artiste Gopal Sinha, a '78 batch pass-out conceptualised the musical performance.

Divisional railway manager, Lucknow, Suresh Sapra brought the evening alive by singing old film songs of the '60 while his wife Neetu Sapra also give a scintillating dance performance.

Members and their families presented dance ballet *Hum Fida ye Lucknow* which depicted Ganesh Vandana, folk dances Rang and Manra, Sufi dance and a poetic drama presentation Raag Bharat as a tribute to unknown freedom fighters. The presentation was choreographed by Priyanka Mehrotra and conceptualised and directed by Indu Sinha.

Alok Gaur, chief executive officer at a corporate and a 1983 batch engineer, played mouth organ.

Another, the highlight of the event was kissagoi by Himanshu Bajpai who narrated interesting tales of the Nawabs of Lucknow in an anecdotal style. He narrated aam ki dastaan and its connection with nawabs and writers. Bajpai also told some interesting anecdotes related to the city of nawabs and a part of his famous Kakori dastaan. His statement 'Lakhnavi woh nahi jo Lucknow main rehta hai, Lakhnavi woh hai jiske dil main Lucknow rehta hai' was loved and appreciated a lot by the guests who had come from different part of the country.

The alumni of IIT Roorkee also enjoyed the Heritage Walk and Lucknow Metro tour to familiarise them with the history of the city. Secretary of the oganisation Ajay Srivastava presented the vote of thanks.

Deep Saxena

Himanshu Bajpai

Ganesh Vandana

Kathak performance on Sufi music and (below) audience

Hindustan Times
LUCKNOW
MONDAY
APRIL 25, 2022

IIT Roorkee has played important role in nation's growth: Dy CM

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : Alumni of IIT Roorkee have made a significant contribution in giving the right direction and speed to the development of the country, said deputy chief minister Brajesh Pathak on Sunday while addressing the concluding session of the two-day global meet "Ullas Tomaso 175" organised by IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow Chapter, at Indira Gandhi Pratishthan to mark the completion of 175 years of the institution.

Pathak said, "Lucknow's metro rail service is a living example of it as it has been built under the guidance of engineers from IIT Roorkee. Today Lucknow Metro has become one of the best metro rail services in the world."

The deputy CM said the state government will help in whatever cooperation would be needed on the proposals and suggestions coming from IIT Roorkee.

Anuj Varshney, president, IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow Chapter, said, "In the last two days, we alumni have discussed many issues regarding planned development of the state. We are always ready to share our knowledge with the government for development."

DURING THE PROGRAMME A BOOK 'KAHI-ANKAHI' WRITTEN BY NANDITA BHASKAR WAS ALSO RELEASED

"During the programme a book 'Kahi-Ankahi' written by Nandita Bhaskar was also released. The book comprises stories and related paintings (based upon same stories)," said Varshney.

"Nandita did her PhD in fine arts from Kanpur University. Her book has stories from peoples' lives and happenings around," he added.

The presentation of "Dastaangoi" (Urdu oral storytelling art form) by Himanshu Bajpai was appreciated. The alumni of IIT Roorkee also enjoyed the "Heritage Walk".

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

रुड़की के इंजीनियरों ने दी विश्व की सर्वश्रेष्ठ मेट्रो सेवा: ब्रजेश पाठक

ग्लोबल मीट उल्लास थॉमसो 175 के समापन सत्र का उद्घाटन का करते कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक,कार्यक्रम में उपस्थित डीएम अभिषेक प्रकाश व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं डीआरएम लखनऊ सुरेश सापरा की पत्नी नीतू सापरा व अन्य। फोटो : एसएनबी

आईआईटी रुड़की का दो दिवसीय ग्लोबल मीट उल्लास थॉमसो 175 का रंगारंग समापन

लखनऊ (एसएनबी)। आईआईटी रुड़की के दो दिवसीय ग्लोबल मीट उल्लास थॉमसो 175 के रविवार को अंतिम दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन सत्र को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सम्बोधित किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि देश के विकास को सही दिशा और तीव्र गति देने में आईआईटी रुड़की से निकली प्रतिभाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि इसका जीवंत उदाहरण लखनऊ की मेट्रो रेल सेवा है, जिसका निर्माण आईआईटी रुड़की से निकले इंजीनियरों के निर्देशन में हुआ है और आज लखनऊ मेट्रो विश्व की बेहतरीन मेट्रो रेल सेवाओं में से एक बन चुकी है।

आईआईटी रुड़की पुरा छात्र संगठन लखनऊ चैप्टर की ओर से अतिथियों का स्वागत करते हुए संगठन के अध्यक्ष इंजीनियर अनुज वार्ष्णेय ने कहा की बीते दो दिनों में हम पुराछात्रों ने प्रदेश के विकास की राह में रोड़ा बनने वाले कई मुद्दों पर चर्चा की है। जल्द ही संगठन की ओर से इनके सुधार के लिए कार्ययोजना का प्रस्ताव सरकार को सौंपेगा।

पुराछात्रों को लखनऊ के इतिहास और आजादी के आंदोलन में इसके योगदान से परिचित कराने के लिए हेरिटेज वॉक और लखनऊ मेट्रो के भ्रमण कराया गया। इसके पूर्व बीती रात्रि को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में वरिष्ठ आईआईटीयंस ने धमाल मचाया। सांस्कृतिक प्रोग्राम की परिकल्पना एवं निर्देशन वरिष्ठ रंग कर्मी व आईआईटी रुढ़की के 1973 बैच के छात्र गोपाल सिन्हा ने किया।

डीआरएम लखनऊ सुरेश सापरा ने साठ के दशक के पुराने फिल्मी गीतों की धुन छेड़कर माहौल बनाया तो वहीं उनकी पत्नी नीतू सापरा ने धमाकेदार नृत्य प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीता। संस्कृति विभाग की सचिव इंदु सिन्हा और उनकी टीम ने आज़ादी के अमृत उत्सव पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन कर लोगों को भाव विभोर कर दिया। वहीं जेपी असोसिएट्स के सीइओ एवं 1983 बैच के इंजीनियर आलोक गौर ने विलुप्त हो रहे वाद्य यन्त्र मॉउथ ऑर्गन पर सुरीली धुनें छेड़ी। कार्यक्रम का समापन करते हुए संगठन के सचिव अजय श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सोमवार • 25.04.2022
अमर उजाला 5

नवाबी नगरी का इतिहास बताया

आईआईटी रुड़की की ग्लोबल मीट उल्लास थॉमसो 175 का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में रविवार को किस्सागो हिमांशु बाजपेयी ने किस्सागोई शैली में नवाबी नगरी के इतिहास को बयां किया। जिसमें मुगल काल से लेकर अंग्रेजों से जंग के किस्से शामिल रहे। मौका था आईआईटी रुड़की की दो दिवसीय ग्लोबल मीट उल्लास थॉमसो 175 के समापन का, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी शामिल रहे।

उन्होंने आईआईटी रुड़की के पुराछात्रों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश के विकास को सही दिशा और तीव्र गति देने में आईआईटी रुड़की से निकली प्रतिभाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बताया कि इसका जीवंत उदाहरण लखनऊ की मेट्रो रेल सेवा है, जिसका निर्माण आईआईटी रुड़की से निकले इंजीनियरों के निर्देशन में हुआ है। वहीं, आईआईटी रुड़की पुरा छात्र संगठन लखनऊ चैप्टर की ओर से संगठन अध्यक्ष इंजीनियर अनुज वार्ष्णेय ने बताया कि बीते दो दिनों में हम पुराछात्रों ने प्रदेश के सुनियोजित विकास की राह में रोड़ा बनने वाले कई मुद्दों पर चर्चा की है। जल्द ही संगठन की ओर से इनके सुधार के लिए कार्ययोजना का प्रस्ताव बनाकर सरकार को सौंपा जायेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक। -विज्ञप्ति

■ ***हेरिटेज वॉक संग लिया मेट्रो भ्रमण का आनंद*** : आई आई टी रुड़की के पुराछात्रों को लखनऊ के इतिहास और आजादी के आंदोलन में इसके योगदान से परिचित कराने के लिए हेरिटेज वॉक का आयोजन हुआ। वहीं, इंजीनियर्स ने लखनऊ मेट्रो के भ्रमण का भी आनंद लिया। इस दौरान उनके परिवार भी यात्रा में शामिल हुए।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 25 अप्रैल, 2022

गांवों के विकास में करें ज्ञान व प्रतिभा का उपयोग: केशव

● उप मुख्यमंत्री ने तकनीकी संस्थानों की प्रतिभाओं से किया आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तकनीकी संस्थाओं की प्रतिभाओं का आह्वान किया है कि वे अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग गांव के विकास में करके देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दें। केशव प्रसाद मौर्य ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उल्लास ग्लोबल थोमसों आईआईटी रुड़की के 75 वें स्थापना दिवस समारोह के द्वितीय सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया और भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिकों द्वारा देश के तकनीकी विकास में किए गए योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अंतिम सांस तक देश के लिए अपनी प्रतिभाए दक्षता और क्षमता का उपयोग किया। समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गांव के विकास की योजनाओं में अपने प्रोजेक्ट बनाकर तकनीकी प्रतिभायें अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। ऐसी परियोजनाएं बनायें कि गांव में लोगों को रोजगार मिले और शहरों की ओर पलायन न हो बल्कि शहरों से लोग गांव की ओर जाने के लिए लालायित हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केंद्र मे और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किए जा रहे ग्रामीण विकास के कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा क्षेत्रों में अमृत सरोवर के रूप में तालाबों का विकसित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है, इसी तरह से छोटी छोटी नदियों के पुनरुद्धार, जल निकासी एवाटर रिचार्जिंग आदि के भी कार्य कराए जा रहे हैं, इसमें यदि तकनीकी ज्ञान भी समाहित हो जाएगा तो और अच्छा काम होगा। उन्होंने कहा स्वयं सहायता समूहों द्वारा पोषाहार बनाने और राशन की दुकानों का संचालन का कार्य समूहों द्वारा काफी हद तक प्रदेश में किया गया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंजीनियर अपनी प्रतिभा से भारत को नंबर एक बनाने का संकल्प लें और अपनी क्षमता को देश के लिए लगाएं। उन्होंने कहा आज लाभार्थीपरक परियोजनाओं में धनराशि सीधे लाभार्थियों के खातों में जा रही है, यह किसी न किसी रूप में आपकी अभूतपूर्व प्रतिभा के कारण संभव हो सका है। देश के वैज्ञानिकों और देश के नेतृत्व द्वारा देश को तमाम क्षेत्रों में शिखर पर लाने का कार्य हुआ है तथा आगे और बहुत अच्छा करने की कोशिश जारी है। हमेशा आप लोग कुछ नया करने के लिए प्रयासरत रहें। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें पुराने छात्रों एवं उनके परिवार द्वारा तैयार कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम में 'सीनियर सिटिजन आडिशन' नामक स्क्रिट ने दर्शको को खूब गुदगुदाया। परम्परागत पोशाक पहने हुए रुड़की के इन्जीनियर्स ने जब कव्वाली गाई तो पूरा हाल झूम उठा। कार्यक्रम में पुराने छात्रों के छोटे बच्चों की प्रस्तुतियाँ भी बहुत पसंद की गई।

'रुड़की के इंजीनियरों ने दी बेहतरीन मेट्रो'

आइआइटी रुड़की के स्थापना वर्ष कार्यक्रम में बोले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे आइआइटी रुड़की के स्थापना वर्ष कार्यक्रम ग्लोबल मीट उल्लास थामसो-175 के समापन सत्र में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आइआइटी रुड़की के पुराछात्रों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि देश के विकास में आइआइटी रुड़की का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका उदाहरण लखनऊ मेट्रो सेवा है, जिसका निर्माण आइआइटी रुड़की के इंजीनियरों के निर्देशन में हुआ है। आज लखनऊ मेट्रो विश्व की बेहतरीन मेट्रो सेवाओं में से एक बन चुकी है।

उप मुख्यमंत्री ने ब्रजेश पाठक ने कहा कि देश के विकास के लिए आइआइटी रुड़की के इंजीनियरों की ओर से आने वाले प्रस्तावों और सुझावों पर सरकार सहयोग करेगी। आइआइटी रुड़की पुरा छात्र संगठन लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ने बताया कि बीते दो दिनों में पुराछात्रों ने प्रदेश के सुनियोजित विकास की राह में रोड़ा बनने वाले कई मुद्दों पर चर्चा की, जल्दी ही संगठन की ओर से इनके सुधार के लिए प्रस्ताव सरकार को सौंपा जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

- विकास का प्लान जल्द सरकार को सौंपेंगे आइआइटी रुड़की के पुरा छात्र
- डीआरएम सुरेश सापरा ने साठ के दशक के पुराने फिल्मी गीत गाए

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित आइआइटी रुड़की के एल्यूमिनाई एसोसिएशन के कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व छात्र, जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश (बाएं) व अन्य • जागरण

किस्सागो हिमांशु बाजपाई की प्रस्तुति रही, उन्होंने लखनऊ के नवाबों की रोचक कहानियां सुनाईं। आइआइटी रुड़की के पुराछात्रों ने हेरिटेज वाक और लखनऊ मेट्रो से यात्रा का भी आनंद लिया। इसके पूर्व बीती रात आयोजित सांस्कृतिक संध्या में वरिष्ठ आइआइटियंस ने जमकर धमाल मचाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की परिकल्पना एवं निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल सिन्हा ने किया। आइआइटी रुड़की के 1973 बैच के छात्र डीआरएम लखनऊ सुरेश सपरा ने साठ के दशक के पुराने फिल्मी गीत सुनाकर माहौल बनाया तो उनकी पत्नी नीतू सपरा ने शानदार नृत्य प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीता। सचिव संस्कृति विभाग इंदु सिन्हा और उनकी टीम ने आजादी के अमृत उत्सव पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन कर लोगों को भाव विभोर कर दिया। वहीं जेपी एसोसिएट्स के सीईओ एवं 1983 बैच के इंजीनियर आलोक गौर ने माउथ आर्गन पर सुरीली धुनें छेड़ीं।

साहब बनकर न बैठिए, मरीज की सेवा करिए : ब्रजेश पाठक

जासं, लखनऊ : अस्पताल में साहब बनकर न बैठिए, मरीज और गरीब की सेवा करिए। अस्पताल को अपना घर और आफिस समझें, जिस तरह से अपने घर और सदस्यों की देखरेख करते हैं, उसी तरह अस्पताल और मरीजों की करें। ये बातें उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने महानगर स्थित प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ उत्तर प्रदेश की ओर से संघ भवन में आयोजित कार्यक्रम में कही। इससे पहले उन्होंने संघ भवन में शहीद कोविड वारियर्स स्मारक पर माल्यार्पण कर डाक्टरों को श्रद्धांजलि दी।

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ ने रखीं मांगें: संघ की ओर से डा. सचिन वैश्य ने स्वास्थ्य मंत्री के सामने डाक्टरों के स्थानांतरण न किए जाने, समय से प्रोन्नति देने जैसी मांगें रखीं। इस पर मंत्री ने कहा कि समय से सभी की प्रोन्नति होगी। किसी भी डाक्टर को स्थानांतरण के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने मलिहाबाद सीएचसी पर हुई घटना के बारे में कहा कि डाक्टर बंदूक को घर में रखकर आएं। ये सब शोभा नहीं देता है।

आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों ने दी सर्वश्रेष्ठ मेट्रो सेवाः पाठक

उल्लास

- ग्लोबल मीट में मौजूद रहे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक
- पूर्व छात्रों ने आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को आयोजित आईआईटी रुड़की के स्थापना वर्ष कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शिरकत की।

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। आईआईटी रुड़की के 175 वें स्थापना वर्ष कार्यक्रम के तहत आयोजित उल्लास ग्लोबल थॉमसो 175 के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्रों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के विकास को सही दिशा और तीव्र गति देने में आईआईटी रुड़की से निकली प्रतिभाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि इसका जीवंत उदाहरण लखनऊ की मेट्रो रेल सेवा है, जिसका निर्माण आईआईटी रुड़की से निकले इंजीनियरों के निर्देशन में हुआ है। आज लखनऊ मेट्रो विश्व की बेहतरीन मेट्रो रेल सेवाओं में से एक बन चुकी है। इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए समारोह में पुरातन छात्रों से बात करते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि देश के विकास के लिए आपकी ओर से आने वाले प्रस्तावों और सुझावों पर सरकार की तरफ से जो भी सहयोग होगा किया जायेगा।

संगठन के अध्यक्ष इंजीनियर अनुज वार्ष्णेय ने कहा की बीते दो दिनों में हम पुराछात्रों ने प्रदेश के सुनियोजित विकास की राह में रोड़ा बनने वाले कई मुद्दों पर चर्चा की है। जल्दी ही संगठन की ओर से इनके सुधार के लिए कार्ययोजना का प्रस्ताव बनाकर सरकार को सौंपा जायेगा। इसके पूर्व आयोजित सांस्कृतिक संध्या में वरिष्ठ आईआईटीयंस ने जमकर धमाल मचाया। सांस्कृतिक प्रोग्राम की परिकल्पना एवं निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल सिन्हा ने किया जो की आईआईटी रुड़की के 1973 बैच के छात्र रहे हैं।

कार्यक्रम में डीआरएम सुरेश सापरा ने साठ के दशक के पुराने फिल्मी गीतों की धुन छेड़कर माहौल बनाया तो वहीं उनकी पत्नी नीतू सापरा ने धमाकेदार नृत्य प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीता। संस्कृति विभाग की टीम ने आज़ादी के अमृत उत्सव पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन कर लोगों को भाव विभोर कर दिया, तो वहीं 1983 बैच के इंजीनियर आलोक गौर ने विलुप्त हो रहे वाद्य यन्त्र मॉउथ ऑर्गन पर सुरीली धुनें छेड़ी।

हेरिटेज वॉक-मेट्रो भ्रमण

मुख्य आकर्षण हिमांशु बाजपेई की किस्सागोई रही। जिसमें हिमांशु ने लखनऊ के नवाबों की रोचक कहानियां सुनाई। जिसे लोगों ने बड़े ही उत्साह के साथ सुना और सराहा। इसके साथ ही आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्रों को लखनऊ के इतिहास और आजादी के आंदोलन में इसके योगदान से परिचित कराने के लिए हेरिटेज वॉक और लखनऊ मेट्रो के भ्रमण का भी आयोजन किया गया।

नवभारत टाइम्स। कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित)। सोमवार, 25 अप्रैल 2022

'रुड़की इंजिनियरों की देन है लखनऊ मेट्रो'

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने आईआईटी रुड़की के इंजिनियरों की प्रतिभा को सराहा

एनबीटी, लखनऊ : देश के विकास को सही दिशा और तीव्र गति देने में आईआईटी रुड़की से निकली प्रतिभाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका जीवंत उदाहरण लखनऊ की मेट्रो रेल सेवा है, जिसका निर्माण आईआईटी रुड़की से निकले इंजिनियरों के निर्देशन में हुआ है।

आज लखनऊ मेट्रो विश्व की बेहतरीन मेट्रो रेल सेवाओं में से एक बन चुकी है। यह बात उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही। वह रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे आईआईटी रुड़की के स्थापना वर्ष कार्यक्रम के अवसर पर बोल रहे थे।

आईआईटियंस ने मचाया धमाल

कार्यक्रम के दूसरे दिन आईआईटियंस ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में खूब जमकर धमाल मचाया। एक ओर हिमांशु बाजपाई की किस्सागोई शैली में लखनऊ के नवाबों की रोचक कहानियां खास आकर्षण का केंद्र बनीं तो डीआरएम लखनऊ सुरेश सापरा ने साठ के दशक के पुराने फिल्मी गीतों से खूब तालियां बटोरीं। इस बीच 1983 बैच के इंजिनियर आलोक गौर ने मॉउथ ऑर्गन पर सुरीली धुनें छेड़ कर जहां लोगों की वाहवाही बटोरीं, वहीं सचिव संस्कृति विभाग की इंदु सिन्हा और उनकी टीम ने नृत्य नाटिका का मंचन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ रंग कर्मी गोपाल सिन्हा, नीतू सापरा, अनुज वार्ष्णेय भी मौजूद रहे। सांस्कृतिक प्रोग्राम की परिकल्पना एवं निर्देशन वरिष्ठ रंग कर्मी गोपाल सिन्हा ने किया जो की आईआई टी रुढ़की के 1973 बैच के छात्र रहे हैं।

THE TIMES OF INDIA, LUCKNOW
MONDAY, APRIL 25, 2022

'IIT-Roorkee alumni behind key projects'

DyCM Pathak Hails Engrs' Role In Metro

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Acknowledging the role of IIT-Roorkee engineers in Lucknow Metro project, deputy chief minister Brijesh Pathak on Sunday said that the talent from the institute has made a significant contribution in the development of the country. He was speaking at the concluding session of the two-day global meet 'Ullas Thomaso 175' organized as part of the 175 years celebrations of IIT Roorkee. Pathak also promised all government help in implementing proposals and suggestions discussed during the meet.

Cultural programme during the IIT-Roorkee global meet

Anuj Varshneya, president of Pura Students Organization, Lucknow Chapter, said that in the last two days the alumni have discussed many issues which are proving to be hindrance in the path of planned development of the state. "We will document these issues and share them with the government as a proposal," he said.

The highlight of the day's event was a presentation by modern Dastango Himanshu Bajpai gave a presentation on interesting stories of the Awadh Nawabs in an anecdotal style.

The alumni enjoyed the heritage walk and Lucknow Metro tour. As part of cultural evening, DRM Lucknow Suresh Sapra created the atmosphere by sprinkling the tunes of old film songs of the sixties.

The event was conceptualized and directed by veteran theater artist Gopal Sinha, who is a 78 batch passout of IIT Roorkee.

Sunday Hindustan Times

UTTAR PRADESH

LUCKNOW
SUNDAY
APRIL 24, 2022

{ ULLAS GLOBAL TOMASO 175 }

Institutes must come forward for development of society: Guv

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Uttar Pradesh governor Anandiben Patel said youth can bring change in any country or society and the best use of technology is to give benefit to the person on the last rung of the society.

Addressing the inaugural function as the chief guest of the global meet programme 'Ullas Global Tomaso 175' organised by IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow Chapter on Saturday, the governor said that alumni from IIT Roorkee have earned name in different parts of the world. She said that educational institutions should also work outside the campus for the society. "By adopting anganwadi centres or primary schools or villages, the infrastructure development can be done. Also, at individual levels, teachers can come forward for doing the same," said the governor.

She said the students of this university who are capable should also contribute time and come forward for the upliftment of the weaker sections of the society as well.

By adopting anganwadi centres or primary schools or villages, the infrastructure development can be done.

ANANDIBEN PATEL,
Governor

Governor Anandiben Patel along with the dignitaries at the 'Ullas Global Tomaso 175' organised by IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow Chapter. DEEPAK GUPTA/HT

Introduce drones in healthcare sector delivery system: Expert

LUCKNOW: Technology can change the healthcare sector delivery system without disturbing the existing manpower, said experts at the two-day global meet 'Ullas Global Tomaso 175' organised by IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow Chapter that began on Saturday.

"Drone delivery is an answer to the problem of traffic issues. The system can make delivery of medicines, vaccines and life-saving medical equipment possible in 10 -15 minutes at the time of crisis and also in areas where there are no motorable roads," said Sanjay Jain, one of the panelists in the session on 'use of drone technology' and an IIT Roorkee alumni.

On being asked by Sunil Gupta, an alumni of IIT Roorkee, about possibility of loss of jobs for those who are already in the medicine delivery sector, Jain said, "The existing manpower will not be disturbed as there were many areas where delivery goes slow and drones can work smartly and quickly. It is time to change the health care delivery system."

Introducing the topic, Gupta said that drone was first made in 1935 and during war it has been used for intelligence input gathering. "Today, drones are entering our everyday life," he said.

Another panelist Lt Gen Vishwambhar Singh said that drones were first used by army during Kargil war in 1999. "Earlier, airplanes went to seek enemy location but now advanced drones are part of our capability," he said.

In his welcome address, Anuj Varshney, president, IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow Chapter said that today if our institute is considered among the best engineering institutes of the world, it is because we get the best teachers here. Anuj Varshney said that the time has come when whatever the society has given to us as an institution, we should return it in the form of its betterment.

Architect Vipul Varshney felicitated Governor Anandiben Patel. HTC

SUNDAY TIMES OF INDIA, LUCKNOW
APRIL 24, 2022

IIT-Roorkee is nation's pride: Guv

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: On the completion of 175 years of establishment of IIT Roorkee University, governor, UP, Anandiben Patel duly inaugurated an year-long celebration at Indira Gandhi Pratishthan on Saturday.

The chain of events began with the inauguration of a two-day global meet programme 'Ullas Global Tomaso 175' organized by IIT-Roorkee Alumni Association, Lucknow chapter.

Addressing the inaugural session, the governor said that students of Roorkee university are outshining the name of the country on the world stage today. This institute is one of the best engineering institutes in the country and has played an important role in building the future of the country.

Earlier, Anuj Varshney, president, IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow chapter, said that today "if our institute is discussed among the best engineering institutes of the world, it is because we get the best teachers in our institute."

Lt Gen Vishambhar Singh, president, Global Alumni Association Centre body, Ajay Srivastava, secretary IIT Roorkee Alumni Association, Lucknow Chapter, attended the inaugural function.

The first day began with the two technical sessions held. Engineer (MD, Lucknow Metro, Kumar Keshav; DRM Lucknow engineer, Suresh Sapra and PWD superintendent engineer, Pavan Varma attended the sessions as special speakers and architect Vipul Varshney was moderator.

नवभारत टाइम्स। कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित)। रविवार, 24 अप्रैल 2022

'2047 में देश की कमान युवाओं के हाथ में होगी'

समारोह में राज्यपाल आंनदी बेन पटेल का किया गया अभिनंदन।

■ एनबीटी, लखनऊः दुनिया में वही देश आगे बढ़ता है जो नवाचार अपनाता है। 2047 में जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएंगे तब देश की कमान युवाओं के हाथ में होगी। आर्थिक नीति से लेकर परमाणु विकास तक का जिम्मा युवाओं पर ही है। हमारे युवाओं का डंका विश्वभर में है। लेकिन प्रतिभा पलायन के कारण हम इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। यह कहना है प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का। वो आईआईटी रुड़की के 175वें स्थापना दिवस पर आईआईटी रुड़की अल्मनाई असोसिएशन लखनऊ चैप्टर की ओर से आयोजित ग्लोबल मीट उल्लास में बोल रही थीं। शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो काम होने लगा है लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में जो काम करना चाहिए, वह नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि पूरा छात्र संगठन आंगनबाड़ी जैसी इकाइयों को गोद लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के लिए कार्य करे। राज्यपाल ने असोसिएशन के पदाधिकारियों से व्यक्तिगत स्तर पर आगनबाड़ी में कम से कम 50 हजार रुपये दान देने का आह्वान किया। इस मौके पर आईईटी रुड़की के 2004 बैच के अल्मनाई और जिलाधिकारी लखनऊ अभिषेक प्रकाश ने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति के लिए वहां की शिक्षा का मजबूत होना जरूरी है। इस मौके पर सोविनियर का विमोचन भी किया गया और असोसिएशन की लखनऊ चैप्टर की वेबसाइट लॉन्च की गई। कार्यक्रम में इंजिनियर डीपी जैन, प्रो. एससी सक्सेना, मेट्रो मैन कुमार केशव, विशंभर आदित्य गुप्ता और प्रदीप अग्रवाल को सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ने बताया कि इस दौरान ड्रोन और रोबोटिक्स डिवेलपमेंट की प्रतियोगिता में देशभर से करीब 70 इंजिनियरिंग संस्थानों की टीमों ने हिस्सा लिया।